सरलता की खुशबू

सबका जीवन सरल रहे
ये भाव समझ के जीना है,
स्नेह प्रेम से साथ निभाकर
सबको गले लगाना है,

धड़क धड़कर चलता दिल
फितरत में अपनी रहता है,
अगर ठान ले मन ही मन
पुरुषार्थ से आगे बढ़ता है,

अमीर गरीब का भेद नही
नयनो में प्रेम झलकता है
अपना पराया कोई नही
विश्वास की शक्ति रखता है,

जो दिल में आईना रखते है
इतिहास रच कर जाते है,

अच्छे के लिए अच्छा बनकर
सयम से सबक सीखते है,

दिल किसी का ना टूटे
यह मंत्र सीखकर जीयेंगे,
बुराई करने वाले के लिए
हम दुआएँ देकर जाएंगे

आशाओं के दीप यहाँ
सबको जीना सीखलाते है,
गम ओर खुशी दोनों के लिए
सच्चा रहना सिखलाते है,

तेरा मेरा करने वाला
ना साथ कभी निभाएगा,
डफली अलग बजाने वाला
दुनिया मे दु:ख ही पायेगा,

अपनो का साथ निभाने वाले
मन की शांति पाते है,
अपनो से मुहँ मोड़ने वाले
ना कभी शांति पाते है,

■ गोपाल कृष्ण व्यास
अध्यक्ष
मानवाधिकार आयोग, राजस्थान